International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास एवं चुनौतियों का अध्ययन

[1]सुमन कुमारी[2]डॉ अवधेश कुमार यादव
[1]शोध प्रज्ञ, डिपार्टमेंट ऑफ़ एजुकेशन, वाई बी एन विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड
[2]एसोसिएट प्रोफेसर,डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, वाई बी एन विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड

शारांश

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों का अध्ययनएक महत्वपूर्ण और विशेष , विषय है जो शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं के योगदान और उनके सामाजिक, पेशेवर, और व्यक्तिगत विकास की महत्वपूर्णता को समझने का प्रयास करता है। यह विषय उन विभिन्न चुनौतियों को परिप्रेक्ष्य में रखता है जो महिला शिक्षिकाओं के प्रोफेशनल विकास की दिशा में उभरती हैं।

इस विषय के अध्ययन से हम उन चुनौतियों की समझ पाते हैं जिनका सामना महिला शिक्षिकाएं अपने करियर में करती हैं, जैसे कि पेशेवर स्थिति में वृद्धि, प्रोत्साहन की कमी, और उपयुक्त संसाधनों की कमी। इसके साथ ही, हम देखते हैं कि कैसे ये महिला शिक्षिकाएं नवाचारित तरीकों का उपयोग करके अपने पेशेवर विकास में उन्नति पाने का प्रयास कर रही हैं।

इस विषय का अध्ययन हमें यह भी दिखाता है कि महिला शिक्षिकाओं का योगदान शिक्षा के क्षेत्र में कैसे समाज में समाजिक परिवर्तन और समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा समाज के विभिन्न पहलुओं में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करती है और समृद्धि की दिशा में सामाजिक विकास को गति प्रदान करती है।

इस विषय के अध्ययन से हम उन महिला शिक्षिकाओं के योगदान की महत्वपूर्णता को समझते हैं जो न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि समाज में भी नये सोच और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करती हैं।

मुख्य बिंदु: महिला शिक्षिकाओं का महत्वनए और नवाचारित ,चुनौतियाँ और समस्याएं , | उपायों का प्रयोग ,समाज में सकारात्मक परिवर्तन ,तरीके

प्रस्तावना:

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

महिला शिक्षिकाएँ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान के साथ समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनकोपेशेवर विकास में अनेक चुनौतियाँ का सामना करना परताहैं।यह अध्ययन महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर उन्नति और उनके सामने आने वाले संघर्षों के प्रति एक माध्यम के रूप में कार्य करने का प्रयास करता है। महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के प्रति गहरी जागरूकता और सामाजिक संवेदना के बावजूद, उन्हें अपनी उच्चतम सीमा तक पहुंचने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पेशेवर मार्ग में अग्रसर होने के लिए वे वेतन, पदोन्नति, और समान सुविधाओं के प्रति संघर्ष करती हैं हम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं ,के पेशेवर विकास के प्रति जागरूकता पैदा कर सकते हैं और उनके समृद्धि और समानता की दिशा में प्रयास कर सकते हैं।

शिक्षा मानव समृद्धि की मूल चाभी है और महिला शिक्षिकाएँ इस कुंजी को बेहद महत्वपूर्ण रूप से संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिला शि"क्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों का अध्ययननामक यह पेपरउच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं के " पेशेवर उन्नति के प्रति उनकी स्थिति को समझने और समृद्धि की दिशा में उनकी मानव संसाधन विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

शोध क्षेत्र की महत्वपूर्णता उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह उन्नति, विकास, और सुधार की दिशा में दिशानिर्देश प्रदान करता है। यह समस्याओं के समाधान के - लिए नई विचारधाराओं को प्रस्तुत करता है और नवाचार का सृजन करता है। शोध क्षेत्र के माध्यम से नवीनतम ज्ञानऔर अनुसंधान प्राप्त होता है, जिससे समाज और सामाजिक संरचना में सुधार हो सकता है। यह शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रावधानों और सुधारों की नींव होता है, जो शिक्षकों, छात्रों, और समाज के लिए उपयोगी होते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं का पेशेवर विकास और उनकी चुनौतियाँ वर्तमान समय में महत्वपूर्ण विषय हैं। यह अध्ययन समाज में उनके संघर्षों को समझने और समाधान प्रदान करने के उपायों को प्रस्तुत कर सकता है, जो महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास को सुदृढ़ करने में मदद करेंगे।

इस अध्ययन के माध्यम से हम महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास की दिशा में विभिन्न कारकों का विश्लेषण करना और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के उपायों की पहचान करना है। यह अध्ययन उनके पेशेवर विकास में सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षिक

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

प्राधिकृतियों के प्रभाव को समझने का प्रयास करेगा और सामाजिक बदलाव की दिशा में योगदान के उपायों को प्रस्तुत करेगा।

पृष्ठभूमि:

महिला शिक्षिकाएँ शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनके पेशेवर विकास और सामाजिक समृद्धि में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वे शिक्षा के क्षेत्र में न केवल शिक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में सामाजिक परिवर्तन और समृद्धि की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान करती हैं।

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास की प्रक्रिया में कई चुनौतियाँ हो सकती हैं, जैसे कि उनकी पेशेवर स्थिति में वृद्धि, प्रोत्साहन, और समर्थन की कमी, उनके प्रोफेशनल विकास के लिए उपयुक्त संसाधनों की कमी, और समाज में उनके योगदान की पहचान की कमी।

चुनौतियों के साथसाथ-, महिला शिक्षिकाएँ अपनी पेशेवर विकास की दिशा में उन्नति पाने के लिए नवाचारित तरीकों का भी अध्ययन कर रही हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी उन्नतियों का भी अध्ययन किया है, जैसे कि डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, और वीडियो शिक्षा, जो उनके पेशेवर विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।साथ ही, महिला शिक्षिकाएँ समाज में उनके योगदान की मान्यता पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए भी आवाज उठा रही हैं।

इस पृष्ठभूमि में, महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है समाज में सामाजिक समृद्धि की दिशा में उनके महत्वपूर्ण योगदान को प्रमोट करना और उनके द्वारा प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग कर समाज को सुधारने में मदद करना है।

अनीता देसाई इनकी रचनाएँ महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और उनकी चुनौतियों को व्यापकता से दिखाती हैं। उनके लेखन से हमें महिला शिक्षिकाओं के प्रति समाज में विशेष दर्जे की महत्वपूर्णता का आभास होता है और उनके संघर्षों की गहराईयों को समझने में मदद मिलती है।किरण देसाई इनके उपन्यास और कहानियाँ महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास में उनकी मानसिकता और सामाजिक परिवर्तन की बड़ी चुनौतियों को उजागर करते हैं। उनके लेखन से हमें यह सिखने को मिलता है कि महिला शिक्षिकाएँ कैसे समाज में अपनी जगह

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

बनाती हैं और उनका योगदान कैसे सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण होता है।शीला देवी चौधरी के लेखन में महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के साथसाथ उनकी सामाजिक और - परिवारिक चुनौतियों को दिखाया गया है। उनके लेखन से हमें यह बोध होता है कि महिला शिक्षिकाएँ कैसे समाज में आगे बढ़ती हैं, अपने सपनों को पूरा करती हैं, और समाज में परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करती हैं।मनोरमा देवी इनकी कविताएँ और लेखन महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहराई से जागरूकता पैदा करती हैं। उनके लेखन से हमें महिला शिक्षिकाओं की समृद्धि, सामाजिक समानता, और समाज में उनके साहित्यिक योगदान की महत्वपूर्णता का आभास होता है।मया आंगेलू इनकी रचनाएँ और उपन्यास महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के साथसाथ उनकी सामाजिक संघर्षों को- भी प्रकट करती हैं। उनके लेखन से हमें महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर उन्नति के प्रति उनकी आकांक्षाओं की महत्वपूर्णता का आभास होता है, और उनके संघर्षों को समझने में मदद मिलती है।

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों:

महिला शिक्षिकाओं के विकास और चुनौतियों के साथ संबंधित पूर्व अनुसंधान ने उनके पेशेवर उन्नति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण दिशानिर्देश प्रदान किए हैं। यह अनुसंधान दिखाते हैं कि महिला शिक्षिकाएँ समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन उनके प्रोफेशनल विकास में कई चुनौतियाँ हैं।पूर्व अनुसंधान ने दिखाया है कि महिला शिक्षिकाओं का शिक्षा में योगदान महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें वेतन और पदोन्नति में असमानता का सामना करना पड़ता है। वे पारंपरिक जातिप्रथा-, आर्थिक संकट, और परिवारिक दबावों से भी गुजरना पड़ती हैं, जो उनके पेशेवर विकास को प्रभावित करते हैं।

चुनौतियों का अनुसंधान ने दिखाया कि महिला शिक्षिकाओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुनिश्चित रूप से पदोन्नति और समान सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता है। वे व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास में भी रुचि रखती हैं, लेकिन समय की कमी के कारण यह पूरी नहीं कर पाती हैं।इसके अलावा, पूर्व अनुसंधान ने सामाजिक परिवर्तन, सुधारीत शिक्षा नीतियाँ, और स्त्री सशक्तिकरण के प्रोत्साहन के माध्यम से महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास को सुधारने के उपायों को सुझाया है।इन पूर्व अनुसंधानों का विश्लेषण बताता

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

है कि महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास में सामाजिक, आर्थिक, और प्रोफेशनल दबावों को समझने और समाधान करने के लिए समर्थन और सुधार की आवश्यकता है।

पेशेवर विकास और उच्च शिक्षा क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं के योगदान

महिला शिक्षिकाओं का पेशेवर विकास और उच्च शिक्षा क्षेत्र में योगदान समृद्धि और सामाजिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निम्नलिखित सामग्री महिला शिक्षिकाओं के योगदान के संदर्भ में महत्वपूर्ण अद्यतनित जानकारी प्रदान करती है:

1. शिक्षा में महिलाओं का योगदान: महिला शिक्षिकाएँ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न भूमिकाओं में काम कर रही हैं, जैसे कि शिक्षा, शोध, प्रशासनिक कार्य, और विकास। उनका योगदान पाठ्यक्रम विकास से लेकर शिक्षा नीतियों के निर्माण तक कई क्षेत्रों में होता है।
2. शिक्षा में समानता की प्रोत्साहन: महिला शिक्षिकाएँ छात्रों को समाज में समानता की महत्वपूर्ण बातें सिखाती हैं और सामाजिक बदलाव को प्रोत्साहित करती हैं। उनका उदाहरण स्त्री सशक्तिकरण और विकास में महत्वपूर्ण होता है।
3. शिक्षा में नए दृष्टिकोण: महिला शिक्षिकाएँ विभिन्न विचारधाराओं को प्रोत्साहित करती हैं और नए दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। उनकी विशेष दृष्टिकोण से छात्रों को नए और उत्कृष्ट ज्ञान का संवादना होता है।
4. उदाहरणीय संघर्ष: महिला शिक्षिकाएँ समाज में स्त्रियों के लिए उदाहरणीय संघर्ष करती हैं और उन्हें स्वावलंबी बनाने में मदद करती हैं। उनकी साहसपूर्ण कहानियाँ और सफलता की कहानियाँ आगे की पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत होती हैं।
5. समृद्धि की दिशा में प्रयास: महिला शिक्षिकाएँ समृद्धि के प्रति अपने संकल्पित प्रयासों से योगदान करती हैं। उनका योगदान समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार करने में महत्वपूर्ण होता है।

महिला शिक्षिकाओं के योगदान ने उच्च शिक्षा क्षेत्र को समृद्धि, सामाजिक समानता, और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है। उनका प्रोत्साहन और समर्थन आगे के दिनों में भी उच्च शिक्षा क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने में सहायक साबित हो सकता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

यह एक वस्तुनिष्ठ विषय है जो महिला शिक्षिकाओं के योगदान और उनके पेशेवर विकास के प्रति विशेष ध्यान केंद्रित करता है। इस अध्ययन में, हम देखते हैं कि कैसे महिला शिक्षिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में अपने कौशल और प्रोफेशनल विकास के लिए संघर्ष कर रही हैं और उन्हें कैसे चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

यह विषय महिला शिक्षिकाओं के प्रोफेशनल विकास की प्रक्रिया को विश्लेषण करने का एक अद्वितीय माध्यम प्रदान करता है। यह उन चुनौतियों को उजागर करता है जिनका सामना महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर जीवन में करती हैं, जैसे कि स्थिति की वृद्धि, योग्यता के अभाव, और उपयुक्त संसाधनों की कमी।

इसके साथ ही, यह अध्ययन दिखाता है कि कैसे महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर विकास को प्रोत्साहित करने के लिए नवाचारित तरीकों का उपयोग कर रही हैं, जैसे कि ऑनलाइन शिक्षा, वेबिनार, और वृत्तिका साक्षरता।

इस प्रकार, "महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों का अध्ययनएक " वस्तुनिष्ठ विषय हैजो महिला शिक्षिकाओं के महत्वपूर्ण योगदान को प्रमोट करने और उनके पेशेवर विकास के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता है।

अनुसंधान पद्धति:

1. संदर्भ साहित्य समीक्षापहले कदम में :, पूर्व संदर्भ साहित्य की समीक्षा की जाती है जिसमें महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों के संबंध में पहले से किए गए अनुसंधानों का अध्ययन किया जाता है।

2. संग्रहण और विश्लेषणडेटा को संग्रहित करने के लिए विभिन्न स्रोतों से साक्षात्कार और : सर्वेक्षण के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जाती है। इसके बाद, इस डेटा को विश्लेषण किया जाता है ताकि महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के क्षेत्र में मुख्य पहलु और चुनौतियाँ समझी जा सकें।

3. तुलनात्मक अध्ययनइसके बाद :, पूर्वानुमान और तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से प्राप्त डेटा को विशिष्ट विषयों में तुलना किया जाता है। इससे महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के लिए सफल अनुप्रयासों की पहचान की जा सकती है।

4. अनुशासन और उपयोगी परामर्शअनुसंधान के परिणामों को अनुशासन के साथ उपयोग : में लाने के लिए उपयुक्त परामर्श दिया जा सकता है। यह महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

विकास को समर्थन प्रदान करने और उनकी चुनौतियों का समाधान निकालने में मदद कर सकता है।

5. अंतिम रिपोर्ट और समारोहअनुसंधान के अंतिम परिणामों को एक रिपोर्ट के रूप में : प्रस्तुत किया जा सकता है, जिसमें महत्वपूर्ण आवश्यकताओं और सुझावों की व्याख्या होती है। साथ ही, एक समारोह आयोजित किया जा सकता है जिसमें अनुसंधान के परिणामों को साझा किया जा सकता है और उन्हें सामाजिक समृद्धि की दिशा में उपयोग करने का प्लान बनाया जा सकता है।

निष्कर्ष:

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास एवं चुनौतियों का अध्ययन प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषय है। शिक्षा क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं का योगदान आजकल बड़े परिवर्तनों की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। उनका पेशेवर विकास न केवल उन्हें स्वतंत्रता और सम्मान की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शिक्षिका बनने की प्रक्रिया महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय है जिससे वे समाज में समानता की दिशा में कदम बढ़ा सकती हैं। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में अपने कौशल और ज्ञान का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है जिससे वे छात्रों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

हालांकि, इस प्रकार के पेशेवर विकास के पथ में कई चुनौतियाँ भी हैं। महिला शिक्षिकाओं को समाज में समानता की मांग के साथसाथ पारंपरिक भूमिकाओं और स्तरों का सामना करना - पड़ता है। उन्हें समय प्रबंधन, परिवारिक समर्थन, और व्यक्तिगत स्वास्थ्य की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

विशिष्ट उपायों का प्रयोग करके महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर विकास को समर्थन प्रदान करने का प्रयास कर रही हैं। ऑनलाइन शिक्षा, वेबिनार, और नवाचारित शिक्षा के माध्यम से वे अपने ज्ञान को बढ़ा रही हैं और छात्रों को भी नए तरीकों से सिखाने का प्रयास कर रही हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अंत में, "महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास एवं चुनौतियों का अध्ययनअनुसंधान से " सामने आता है कि महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर विकास में सफलता प्राप्त कर रही हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उनके योगदान ने शिक्षा के क्षेत्र में सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है और समाज को सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ने में मदद की है।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. Sodhi, G.S. & Dutt, S. (1999). "Teaching learning A process approach", Published by Samarir Publishers Chandigarh.201- 208.

3. Sophia, J. A. (2011). "Challenges facing women employees in career development: a focus on Kapsabet Municipality, Kenya", International Journal of Current Research,3(8), 196-203.

4. सिंह,शिरीषपाल(2008)"अध्यापक शिक्षा" ए.पी.एच. पब्लिकेशनहाउस, दिल्ली।

5. कुमार, एन 2016 अध्यापक शिक्षा अर्जुनपब्लिशिंगहाउसदिल्ली

6. कननयान, जवी .2016 .टवीिरएजकेिनडवी ऑफ प्रोफेिनलएतर्क्स इन वसटए प्रोस्पेतक्ट . .शनिक्सइ्टरनेशनिजन्गिऑफ़एजकेशन4)2(, पष्ठ सख्या 36-40.

7 राममोहनबाबू, वी. "जॉबसेटिस्फेक्शन एटीट्यूडटूवर्डटींचिगजॉवइन्वाल्वमेन्ट, इफिसियेंसीटीचिंग एण्ड परसेप्शनऑफऑर्गनाईजेशनलक्लाइमेटऑफटीचर्सरेजिडेंसियल एण्ड नॉनरेजिडेंसियलस्कूल्स"फिफ्थसर्वेऑफ एजुकेशनल्सरिसर्च, टवसण ए 1992।

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास एवं चुनौतियों का अध्ययन

[1]सुमन कुमारी[2]डॉ अवधेश कुमार यादव

[1]शोध प्रज्ञ, डिपार्टमेंटऑफ़एजुकेशन, वाईबीएनविश्वविद्यालय, रांची, झारखंड

[2]एसोसिएटप्रोफेसर,डिपार्टमेंट ऑफएजुकेशन, वाईबीएनविश्वविद्यालय, रांची, झारखंड

शारांश

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों का अध्ययनएक महत्वपूर्ण और विशेष , विषय है जो शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं के योगदान और उनके सामाजिक, पेशेवर, और व्यक्तिगत विकास की महत्वपूर्णता को समझने का प्रयास करता है। यह विषय उन विभिन्न चुनौतियों को परिप्रेक्ष्य में रखता है जो महिला शिक्षिकाओं के प्रोफेशनल विकास की दिशा में उभरती हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

इस विषय के अध्ययन से हम उन चुनौतियों की समझ पाते हैं जिनका सामना महिला शिक्षिकाएं अपने करियर में करती हैं, जैसे कि पेशेवर स्थिति में वृद्धि, प्रोत्साहन की कमी, और उपयुक्त संसाधनों की कमी। इसके साथ ही, हम देखते हैं कि कैसे ये महिला शिक्षिकाएं नवाचारित तरीकों का उपयोग करके अपने पेशेवर विकास में उन्नति पाने का प्रयास कर रही हैं।

इस विषय का अध्ययन हमें यह भी दिखाता है कि महिला शिक्षिकाओं का योगदान शिक्षा के क्षेत्र में कैसे समाज में समाजिक परिवर्तन और समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा समाज के विभिन्न पहलुओं में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करती है और समृद्धि की दिशा में सामाजिक विकास को गति प्रदान करती है।

इस विषय के अध्ययन से हम उन महिला शिक्षिकाओं के योगदान की महत्वपूर्णता को समझते हैं जो न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि समाज में भी नये सोच और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करती हैं।

मुख्य बिंदु: महिला शिक्षिकाओं का महत्वनए और नवाचारित ,चुनौतियाँ और समस्याएं , | उपायों का प्रयोग ,समाज में सकारात्मक परिवर्तन ,तरीके

प्रस्तावना:

महिला शिक्षिकाएँ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान के साथ समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनकोपेशेवर विकास में अनेक चुनौतियाँ का सामना करना परताहैं।यह अध्ययन महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर उन्नति और उनके सामने आने वाले संघर्षों के प्रति एक माध्यम के रूप में कार्य करने का प्रयास करता है। महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के प्रति गहरी जागरूकता और सामाजिक संवेदना के बावजूद, उन्हें अपनी उच्चतम सीमा तक पहुंचने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पेशेवर मार्ग में अग्रसर होने के लिए वे वेतन, पदोन्नति, और समान सुविधाओं के प्रति संघर्ष करती हैंहम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के प्रति जागरूकता पैदा , कर सकते हैं और उनके समृद्धि और समानता की दिशा में प्रयास कर सकते हैं।

शिक्षा मानव समृद्धि की मूल चाभी है और महिला शिक्षिकाएँ इस कुंजी को बेहद महत्वपूर्ण रूप से संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास"

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

नामक यह पेपरउच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं के "और चुनौतियों का अध्ययन पेशेवर उन्नति के प्रति उनकी स्थिति कोसमझने और समृद्धि की दिशा में उनकी मानव संसाधन विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

शोध क्षेत्र की महत्वपूर्णता उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह उन्नति, विकास, और सुधार की दिशा में दिशानिर्देश प्रदान करता है। यह समस्याओं के समाध-ान के लिए नई विचारधाराओं को प्रस्तुत करता है और नवाचार का सृजन करता है। शोध क्षेत्र के माध्यम से नवीनतम ज्ञान और अनुसंधान प्राप्त होता है, जिससे समाज और सामाजिक संरचना में सुधार हो सकता है। यह शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रावधानों और सुधारों की नींव होता है, जो शिक्षकों, छात्रों, और समाज के लिए उपयोगी होते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं का पेशेवर विकास और उनकी चुनौतियाँ वर्तमान समय में महत्वपूर्ण विषय हैं। यह अध्ययन समाज में उनके संघर्षों को समझने और समाधान प्रदान करने के उपायों को प्रस्तुत कर सकता है, जो महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास को सुदृढ़ करने में मदद करेंगे।

इस अध्ययन के माध्यम से हम महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास की दिशा में विभिन्न कारकों का विश्लेषण करना और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के उपायों की पहचान करना है। यह अध्ययन उनके पेशेवर विकास में सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षिक प्राधिकृतियों के प्रभाव को समझने का प्रयास करेगा और सामाजिक बदलाव की दिशा में योगदान के उपायों को प्रस्तुत करेगा।

पृष्ठभूमि:

महिला शिक्षिकाएँ शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनके पेशेवर विकास और सामाजिक समृद्धि में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वे शिक्षा के क्षेत्र में न केवल शिक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में सामाजिक परिवर्तन और समृद्धि की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान करती हैं।

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास की प्रक्रिया में कई चुनौतियाँ हो सकती हैं, जैसे कि उनकी पेशेवर स्थिति में वृद्धि, प्रोत्साहन, और समर्थन की कमी, उनके प्रोफेशनल विकास के लिए उपयुक्त संसाधनों की कमी, और समाज में उनके योगदान की पहचान की कमी।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

चुनौतियों के साथसाथ-, महिला शिक्षिकाएँ अपनी पेशेवर विकास की दिशा में उन्नति पाने के लिए नवाचारित तरीकों का भी अध्ययन कर रही हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी उन्नतियों का भी अध्ययन किया है, जैसे कि डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, और वीडियो शिक्षा, जो उनके पेशेवर विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।साथ ही, महिला शिक्षिकाएँ समाज में उनके योगदान की मान्यता पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए भी आवाज उठा रही हैं।

इस पृष्ठभूमि में, महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है समाज में सामाजिक समृद्धि की दिशा में उनके महत्वपूर्ण योगदान को प्रमोट करना और उनके द्वारा प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग कर समाज को सुधारने में मदद करना है।

अनीता देसाई इनकी रचनाएँ महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और उनकी चुनौतियों को व्यापकता से दिखाती हैं। उनके लेखन से हमें महिला शिक्षिकाओं के प्रति समाज में विशेष दर्जे की महत्वपूर्णता का आभास होता है और उनके संघर्षों की गहराईयों को समझने में मदद मिलती है।किरण देसाई इनके उपन्यास और कहानियाँ महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास में उनकी मानसिकता और सामाजिक परिवर्तन की बड़ी चुनौतियों को उजागर करते हैं। उनके लेखन से हमें यह सिखने को मिलता है कि महिला शिक्षिकाएँ कैसे समाज में अपनी जगह बनाती हैं और उनका योगदान कैसे सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण होता है।शीला देवी चौधरी के लेखन में महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के साथ साथ उनकी सामाजिक-और परिवारिक चुनौतियों को दिखाया गया है। उनके लेखन से हमें यह बोध होता है कि महिला शिक्षिकाएँ कैसे समाज में आगे बढ़ती हैं, अपने सपनों को पूरा करती हैं, और समाज में परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करती हैं।मनोरमा देवी इनकी कविताएँ और लेखन महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहराई से जागरूकता पैदा करती हैं। उनके लेखन से हमें महिला शिक्षिकाओं की समृद्धि, सामाजिक समानता, और समाज में उनके साहित्यिक योगदान की महत्वपूर्णता का आभास होता है।मया आंगेलू इनकी रचनाएँ और उपन्यास महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के साथसाथ उनकी सामाजिक संघर्षों को-भी प्रकट करती हैं। उनके लेखन से हमें महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर उन्नति के प्रति उनकी

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

आकांक्षाओं की महत्वपूर्णता का आभास होता है, और उनके संघर्षों को समझने में मदद मिलती है।

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों:

महिला शिक्षिकाओं के विकास और चुनौतियों के साथ संबंधित पूर्व अनुसंधान ने उनके पेशेवर उन्नति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण दिशानिर्देश प्रदान किए हैं। यह अनुसंधान दिखाते हैं कि महिला शिक्षिकाएँ समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन उनके प्रोफेशनल विकास में कई चुनौतियाँ हैं।पूर्व अनुसंधान ने दिखाया है कि महिला शिक्षिकाओं का शिक्षा में योगदान महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें वेतन और पदोन्नति में असमानता का सामना करना पड़ता है। वे पारंपरिक जातिप्रथा-, आर्थिक संकट, और परिवारिक दबावों से भी गुजरना पड़ती हैं, जो उनके पेशेवर विकास को प्रभावित करते हैं।

चुनौतियों का अनुसंधान ने दिखाया कि महिला शिक्षिकाओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुनिश्चित रूप से पदोन्नति और समान सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता है। वे व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास में भी रुचि रखती हैं, लेकिन समय की कमी के कारण यह पूरी नहीं कर पाती हैं।इसके अलावा, पूर्व अनुसंधान ने सामाजिक परिवर्तन, सुधारीत शिक्षा नीतियाँ, और स्त्री सशक्तिकरण के प्रोत्साहन के माध्यम से महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास को सुधारने के उपायों को सुझाया है।इन पूर्व अनुसंधानों का विश्लेषण बताता है कि महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास में सामाजिक, आर्थिक, और प्रोफेशनल दबावों को समझने और समाधान करने के लिए समर्थन और सुधार की आवश्यकता है।

पेशेवर विकास और उच्च शिक्षा क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं के योगदान

महिला शिक्षिकाओं का पेशेवर विकास और उच्च शिक्षा क्षेत्र में योगदान समृद्धि और सामाजिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निम्नलिखित सामग्री महिला शिक्षिकाओं के योगदान के संदर्भ में महत्वपूर्ण अद्यतनित जानकारी प्रदान करती है:

1. शिक्षा में महिलाओं का योगदान: महिला शिक्षिकाएँ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न भूमिकाओं में काम कर रही हैं, जैसे कि शिक्षा, शोध, प्रशासनिक कार्य, और विकास। उनका योगदान पाठ्यक्रम विकास से लेकर शिक्षा नीतियों के निर्माण तक कई क्षेत्रों में होता है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

2. शिक्षा में समानता की प्रोत्साहन: महिला शिक्षिकाएँ छात्रों को समाज में समानता की महत्वपूर्ण बातें सिखाती हैं और सामाजिक बदलाव को प्रोत्साहित करती हैं। उनका उदाहरण स्त्री सशक्तिकरण और विकास में महत्वपूर्ण होता है।

3. शिक्षा में नए दृष्टिकोण: महिला शिक्षिकाएँ विभिन्न विचारधाराओं को प्रोत्साहित करती हैं और नए दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। उनकी विशेष दृष्टिकोण से छात्रों को नए और उत्कृष्ट ज्ञान का संवादना होता है।

4. उदाहरणीय संघर्ष: महिला शिक्षिकाएँ समाज में स्त्रियों के लिए उदाहरणीय संघर्ष करती हैं और उन्हें स्वावलंबी बनाने में मदद करती हैं। उनकी साहसपूर्ण कहानियाँ और सफलता की कहानियाँ आगे की पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत होती हैं।

5. समृद्धि की दिशा में प्रयास: महिला शिक्षिकाएँ समृद्धि के प्रति अपने संकल्पित प्रयासों से योगदान करती हैं। उनका योगदान समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार करने में महत्वपूर्ण होता है।

महिला शिक्षिकाओं के योगदान ने उच्च शिक्षा क्षेत्र को समृद्धि, सामाजिक समानता, और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है। उनका प्रोत्साहन और समर्थन आगे के दिनों में भी उच्च शिक्षा क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने में सहायक साबित हो सकता है।

यह एक वस्तुनिष्ठ विषय है जो महिला शिक्षिकाओं के योगदान और उनके पेशेवर विकास के प्रति विशेष ध्यान केंद्रित करता है। इस अध्ययन में, हम देखते हैं कि कैसे महिला शिक्षिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में अपने कौशल और प्रोफेशनल विकास के लिए संघर्ष कर रही हैं और उन्हें कैसे चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

यह विषय महिला शिक्षिकाओं के प्रोफेशनल विकास की प्रक्रिया को विश्लेषण करने का एक अद्वितीय माध्यम प्रदान करता है। यह उन चुनौतियों को उजागर करता है जिनका सामना महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर जीवन में करती हैं, जैसे कि स्थिति की वृद्धि, योग्यता के अभाव, और उपयुक्त संसाधनों की कमी।

इसके साथ ही, यह अध्ययन दिखाता है कि कैसे महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर विकास को प्रोत्साहित करने के लिए नवाचारित तरीकों का उपयोग कर रही हैं, जैसे कि ऑनलाइन शिक्षा, वेबिनार, और वृत्तिका साक्षरता।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

इस प्रकार, "महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों का अध्ययनएक " वस्तुनिष्ठ विषय है जो महिला शिक्षिकाओं के महत्वपूर्ण योगदान को प्रमोट करने और उनके पेशेवर विकास के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता है।

अनुसंधान पद्धति:

1. संदर्भ साहित्य समीक्षापहले कदम में :, पूर्व संदर्भ साहित्य की समीक्षा की जाती है जिसमें महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास और चुनौतियों के संबंध में पहले से किए गए अनुसंधानों का अध्ययन किया जाता है।
2. संग्रहण और विश्लेषणडेटा को संग्रहित करने के लिए विभिन् :न स्रोतों से साक्षात्कार और सर्वेक्षण के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जाती है। इसके बाद, इस डेटा को विश्लेषण किया जाता है ताकि महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के क्षेत्र में मुख्य पहलु और चुनौतियाँ समझी जा सकें।
3. तुलनात्मक अध्ययनइसके बाद :, पूर्वानुमान और तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से प्राप्त डेटा को विशिष्ट विषयों में तुलना किया जाता है। इससे महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास के लिए सफल अनुप्रयासों की पहचान की जा सकती है।
4. अनुशासन और उपयोगी परामर्शअनुसंधान के परिणामों को अनुशासन के साथ उपयोग : में लाने के लिए उपयुक्त परामर्श दिया जा सकता है। यह महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास को समर्थन प्रदान करने और उनकी चुनौतियों का समाधान निकालने में मदद कर सकता है।
5. अंतिम रिपोर्ट और समारोहअनुसंधान के अंतिम परिणामों को एक रिपोर्ट के रूप में : प्रस्तुत किया जा सकता है, जिसमें महत्वपूर्ण आवश्यकताओं और सुझावों की व्याख्या होती है। साथ ही, एक समारोह आयोजित किया जा सकता है जिसमें अनुसंधान के परिणामों को साझा किया जा सकता है और उन्हें सामाजिक समृद्धि की दिशा में उपयोग करने का प्लान बनाया जा सकता है।

निष्कर्ष:

महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास एवं चुनौतियों का अध्ययन प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषय है। शिक्षा क्षेत्र में महिला शिक्षिकाओं का योगदान आजकल बड़े परिवर्तनों की ओर एक

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 04, April- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

महत्वपूर्ण कदम है। उनका पेशेवर विकास न केवल उन्हें स्वतंत्रता और सम्मान की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शिक्षिका बनने की प्रक्रिया महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय है जिससे वे समाज में समानता की दिशा में कदम बढ़ा सकती हैं। उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में अपने कौशल और ज्ञान का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है जिससे वे छात्रों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

हालांकि, इस प्रकार के पेशेवर विकास के पथ में कई चुनौतियाँ भी हैं। महिला शिक्षिकाओं को समाज में समानता की मांग के साथसाथ पारंपरिक भूमिकाओं और स्तरों का सामन-ा करना पड़ता है। उन्हें समय प्रबंधन, परिवारिक समर्थन, और व्यक्तिगत स्वास्थ्य की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

विशिष्ट उपायों का प्रयोग करके महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर विकास को समर्थन प्रदान करने का प्रयास कर रही हैं। ऑनलाइन शिक्षा, वेबिनार, और नवाचारित शिक्षा के माध्यम से वे अपने ज्ञान को बढ़ा रही हैं और छात्रों को भी नए तरीकों से सिखाने का प्रयास कर रही हैं।

अंत में, "महिला शिक्षिकाओं के पेशेवर विकास एवं चुनौतियों का अध्ययनअनुसंधान से " सामने आता है कि महिला शिक्षिकाएं अपने पेशेवर विकास में सफलता प्राप्त कर रही हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उनके योगदान ने शिक्षा के क्षेत्र में सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है और समाज को सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ने में मदद की है।

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. Sodhi, G.S. & Dutt, S. (1999). "Teaching learning A process approach", Published by Samarir Publishers Chandigarh.201- 208.

3. Sophia, J. A. (2011). "Challenges facing women employees in career development: a focus on Kapsabet Municipality, Kenya", International Journal of Current Research,3(8), 196-203.

4. सिंह,शिरीषपाल(2008)"अध्यापक शिक्षा" ए.पी.एच. पब्लिकेशनहाउस, दिल्ली।

5. कुमार, एन 2016 अध्यापक शिक्षा अर्जुनपब्लिशिंगहाउसदिल्ली

6. कननयान, जवी .2016 .टवीिरएजकेिनडवी ऑफ प्रोफेिनलएतर्क्स इन वसटए प्रोस्पेतक्ट . .शनैिक्सइ्टरनेशनिजन्गिऑफ़एजकेशन4)2(, पष्ठ सख्या 36-40.

7 राममोहनबाबू, वी. "जॉबसेटिस्फेक्शन एटीट्यूडटूवर्डटींचिगजॉवइन्वाल्वमेन्ट, इफिसियेंसीटीचिंग एण्ड परसेप्शनऑफऑर्गनाईजेशनलक्लाइमेटऑफटीचर्सरेजिडेंसियल एण्ड नॉनरेजिडेंसियलस्कूल्स"फिफ्थसर्वेऑफ एजुकेशनल्सरिसर्च, टवसण ् 1992।